an>

Title: Need to permit farming activity on land falling under Kanwar Lake Bird Sanctuary in Begusarai Parliamentary Constituency, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : माननीय उपाध्यक्ष जी, छठी एवं सातवीं शताब्दी में बंगाल के पाल वंशीय राजाओं की देवी माँ जयमंगला और नौलागढ़ राजधानी और फौज की छावनी के रूप में इतिहास में वर्णित है। जयमंगलागढ़ से नौलागढ़ के बीच की दूरी में सुरंगें बनी हुई थीं और जयमंगलागढ़ में ही उनकी सर्वमंगला देवी पीठ विजयश्री के प्रतीक के रूप में अभी भी लाखों करोड़ों की आस्था की देवी हैं। 14 हजार एकड़ का यह भू-भाग कावड़ झील के रूप में विख्यात रहा है। जाड़े के दिनों में साइबेरियन पक्षी प्रजनन के लिए हजारों किलोमीटर दूर से उड़कर कुछ माह के लिए यहां बसेरा करते थे। इलाके के हजारों मछुआरे इस झील से अपनी जीविका चलाने के लिए मछली का शिकार किया करते थे, पर अब इतिहास की ये सारी स्मृतियां गौरवशाली आलेख समाप्त हो गए हैं। झील की जगह पर फटी हुई वसुन्धरा की दरारें पड़ी हुई हैं।

मात्र बैशाख के दिनों में 500 एकड़ जमीन में पानी रहता है। शेÂा भागों में ऊख, गेहूं, रैंचा, मकई की फसलें हो रही हैं। केन्द्र सरकार ने इसे 1998 ई0 में पक्षी विहार के रूप में अधियूचित किया था लेकिन अभी यह पिछले 12 वÂाों से सूखा पड़ा हुआ है। इसमें किसानों की खेती होती है। केंद्र सरकार इस पक्षी विहार को लेकर खड़ी है। लाखों की आबादी जीविका को लेकर खड़ी है। पेट की रोटी और मन के प्रवाह में गतिरोध है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा पर्यावरण मंत्री जी से अनुरोध है कि लाखों किसानों को बिना जल के पक्षी विहार की रट लगाकर किसानों एवं आमजन को आत्महत्या के लिए प्रेरित न करें।